जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

26 दिसंबर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के आईएएसई द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाला राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और सह-पाठ्यचर्या गतिविधि (सीसीए) शिविर सामुदायिक कार्य एवं सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिकों के पोषण के माध्यम से समाज सेवा के महत्व को दर्शाता है

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) द्वारा दिनांक 18 से 24 दिसंबर 2024 तक राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और सह-पाठ्यचर्या गतिविधि (सीसीए) शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।

शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि आईआईटी दिल्ली के भौतिकी विभाग के पूर्व संकाय सदस्य प्रो विपिन कुमार त्रिपाठी ने शिरकत की। शिक्षा संकाय की डीन प्रो. सारा बेगम, आईएएसई विभागाध्यक्ष प्रो. जेसी अब्राहम, डॉ. आबिद हुसैन, प्रो. रूही फातिमा और डॉ. रईसा खान, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, प्रो. तबस्सुम नकी एवं डॉ. आरिफ मोहम्मद सीसीए समन्वयक तथा आईएएसई शिक्षा संकाय के सभी हाउस सलाहकार और संकाय सदस्य भी समारोह में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से हुई और उसके उपरांत तराना गायन हुआ जिसे श्री जीशान ज़मीर और उनकी टीम ने प्रस्तुत किया। तदुपरांत छात्रों द्वारा एनएसएस गीत, लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो विपिन कुमार त्रिपाठी द्वारा "अहिंसा और वर्तमान चुनौतियों" पर दिए गए ज्ञानवर्धक व्याख्यान से हुई। उन्होंने अपने उद्बोधन में समाज में व्याप्त किसी भी पूर्वाग्रह और भय से मुक्त रचनात्मक दिमाग को पोषित करने में शिक्षक की भूमिका को महत्वपूर्ण ढंग से रेखांकित किया ।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आबिद हुसैन ने एनएसएस एवं सीसीए गतिविधियों के महत्व पर बल दिया, जो सामुदायिक कार्यों के माध्यम से समाज सेवा के मूल्य को विकसित करते हैं और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। उद्घाटन समारोह का समापन आईएएसई की विभागाध्यक्ष प्रो जेसी अब्राहम द्वारा दिए गए बहुमूल्य भाषण से हुआ और तदुपरांत राष्ट्रगान और धन्यवाद ज्ञापन हुआ। सभा के बाद, सभी आठ सदनों अर्थात अजमल, अंसारी, आजाद, गांधी, मुजीब, नेहरू, सैय्यदैन और जाकिर के सभी छात्र अपने-अपने हाउस सलाहकारों के साथ अपने-अपने क्षेत्रों की ओर अग्रसर हुए । शिविर का उद्घाटन दिवस काफी उत्साह और ऊर्जा से भरा हुआ था जिसकी शुरुआत योग्य योग प्रशिक्षकों द्वारा किए गए योग अभ्यासों से हुई।

शिविर के दूसरे दिन, 19 दिसंबर को गतिविधियों की शुरुआत सुबह की सभा से हुई और उसके बाद योग सत्र हुआ। तदुपरांत डॉ. रेणु शर्मा ने "मिशन लाइफ और ई-वेस्ट मैनेजमेंट" पर अपना अतिथि व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने पर्यावरण पर ई-कचरे के हानिकारक प्रभावों के बारे में रोशनी डाली और ई-कचरे के प्रबंधन के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। शिविर के पांचवें दिन, कार्यवाही की शुरुआत सुबह की सभा से हुई, उसके बाद योग सत्र हुआ तथा डॉ. अजरा जैदी द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया । उन्होंने अपने व्यखायान में आत्मनिर्भर बनने के लिए कौशल के मूल्य पर ध्यान केंद्रित किया। इसके बाद रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम, इंटर-हाउस सूफियाना-कव्वाली का आयोजन उक्त दिवस को दोपहर में किया गया । शिविर के छठे दिन एक इंटर-हाउस नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी आठ सदनों ने नुक्कड़ प्रदर्शनों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दों को परखा और प्रदर्शित किया ।

शिविर के समापन दिवस पर दिनांक 24 दिसंबर को सभी हाउस क्षेत्रों का विशिष्ट मानदंडों के अनुसार प्रतिष्ठित जजों द्वारा मूल्यांकन किया गया। समापन समारोह में जामिया के माननीय कुलपति, प्रो. मजहर आसिफ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । मुख्य कुलानुशासक प्रो. नवेद जमाल, कुलपति के विशेष कार्याधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश प्रसाद, शिक्षा संकाय की डीन प्रो. सारा बेगम, आईएएसई की अध्यक्ष प्रो. जेसी अब्राहम की उपस्थिति ने समापन समारोह की गरिमा को बढ़ाया ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया